

# डॉ. क्रेग कीनर, अधिनियम, व्याख्यान 10, अधिनियम 6:8-8:4

© 2024 क्रेग कीनर और टेड हिल्डेब्रांट

यह एक्ट्स की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह सत्र 10, अधिनियम अध्याय 6, पद 8 से अध्याय 8, पद 4 है।

अध्याय 6, पद 8 से अध्याय 7 और पद 1 में, स्तिफनुस को अधिकारियों के सामने ले जाया गया है। अब, अध्याय 6 और श्लोक 9 में, हम पढ़ते हैं कि संघर्ष प्रारंभ में मुक्त व्यक्तियों के आराधनालय के साथ है।

आराधनालय सामुदायिक केंद्र थे। उनका उपयोग सांप्रदायिक प्रार्थना और टोरा के अध्ययन के स्थानों के रूप में भी किया जाता था। धर्मग्रंथों का पाठ होगा।

यह हमें न केवल बाद के यहूदी ग्रंथों में बताया गया है। यह हमें पहली शताब्दी में लिखे गए जोसेफस और फिलो में बताया गया है। और निश्चित रूप से, हमारे पास इस अवधि के कुछ खुदाई किए गए आराधनालय हैं, हालांकि हमारे पास उनमें से लगभग सभी मौजूद नहीं हैं।

मुक्त किये गये व्यक्ति. यहां यह शब्द मूल रूप से लैटिन लिबर्टिनी का ग्रीक लिप्यंतरण है। ये रोमन अर्थ में स्वतंत्र व्यक्ति थे।

ये रोमन नागरिक के मुक्त व्यक्ति थे, जो रोमन नागरिक थे। यदि आप किसी रोमन नागरिक के गुलाम थे, तो आपको सामान्य परिस्थितियों में मुक्त कर दिया गया था। कुछ शर्तों के तहत, आपको मुक्त किया जा सकता है और आप स्वयं एक रोमन नागरिक बन जायेंगे, जो एक रोमन नागरिक का गुलाम था।

खैर, हजारों यहूदियों को पोम्पेई ने गुलाम बना लिया था, पोम्पेई ने उस शहर की तरह नहीं जो माउंट वेसुवियस में नष्ट हो गया था, बल्कि यह रोमन जनरल पोम्पेई था। पहली शताब्दी ईसा पूर्व में पोम्पेई द्वारा उन्हें गुलाम बना लिया गया था। उन्हें रोम लाया गया था और रोम में कुछ अन्य यहूदी लोग भी थे और इन यहूदी लोगों ने अपने साथी यहूदियों की स्वतंत्रता खरीदी थी, जो एक अच्छी बात थी। खैर, इसलिए वे स्वतंत्र व्यक्ति बन गए और रोमन नागरिक बन गए।

फिलो हमें बताता है कि रोम में रहने वाले कई यहूदी लोग रोमन नागरिक थे। वे इन मुक्त दासों के वंशज थे। उनमें से कुछ वहां से चले गये।

वे यरूशलेम वापस आ गए जहां वे अन्य स्थानों पर बस गए और वहां से उनमें से कुछ यरूशलेम चले गए। तो, हमारे पास यरूशलेम में मुक्त व्यक्तियों का एक आराधनालय है। अब, हेलेनिस्ट आराधनालयों के बीच यह काफी उच्च दर्जे का आराधनालय होगा क्योंकि ये लोग रोमन नागरिक हैं, जो कि कुछ ऐसा है जो ग्रीक पूर्व, साम्राज्य के ग्रीक भाषी हिस्से, पूर्वी रोमन साम्राज्य के अधिकांश अधिकारियों के पास नहीं था। वह विशेषाधिकार.

वहाँ एक आराधनालय का शिलालेख है जो यरूशलेम से एक आराधनालय का पाया गया है और यह थियोडोटस द्वारा समर्पित एक आराधनालय है, यह एक ग्रीक नाम है, जो विटेनस का पुत्र है। खैर, यह एक लैटिन नाम है। और थियोडोटस एक यहूदी रोमन नागरिक का बेटा था।

यह वही आराधनालय भी हो सकता है जिसके बारे में हम यहां सुनते हैं। यह अच्छी सुविधाओं से युक्त एक आराधनालय था, अनुष्ठानिक स्नान के लिए स्थान, यात्रियों की देखभाल के लिए स्थान इत्यादि। यह एक हेलेनिस्ट आराधनालय है जिसके बारे में हम पद 9 में पढ़ते हैं। तो, यह उसी समूह से संबंधित है जिससे अध्याय 6 और पद 5 में उल्लिखित सात लोग आते हैं, अध्याय 6 और पद 1 में विधवाएँ आती हैं। और जाहिर तौर पर हेलेनिस्ट समुदाय के कुछ सदस्य जो आस्तिक नहीं बने थे, वे हेलेनिस्ट समुदाय के अन्य सदस्यों से बहुत नाखुश थे जो आस्तिक बन गए थे।

और विशेष रूप से जब स्तिफनुस उन्हें बहस के बाद बहस में हरा रहा है, आत्मा और ज्ञान से भरा हुआ है, और संकेत और चमत्कार कर रहा है जिनका वे खंडन नहीं कर सकते, आत्मा और शक्ति से भरा हुआ, जैसा कि यीशु ने ल्यूक अध्याय 21 में कहा था, मैं मैं तुम्हें ऐसी बुद्धि दूंगा कि तुम्हारा कोई भी विरोधी न तो विरोध में बोल सकेगा और न ही खंडन कर सकेगा। मुझे याद है वर्षों पहले, मेरे पास कुछ अद्भुत प्रोफेसर थे, वैसे, बहुत सहयोगी प्रोफेसर थे, लेकिन कुछ अन्य प्रोफेसर भी थे जिनके साथ मेरी बहुत बहस हुई थी। और इन प्रोफेसरों में से एक, हम उसके कार्यालय में घंटों बैठकर बहस करते थे।

और पहली बार ऐसा हुआ, मैं मान लूंगा, ठीक है, ठीक है, तो मान लीजिए कि यदि आप इस पर बहस करने जा रहे हैं, तो यह कैसा रहेगा? लेकिन हर बार जब मैं ऐसा कुछ कहता था, तो मुझे लगता था कि यह विनम्र होना है, वह कहते, आह, आप देखते हैं, आप गलत हैं, आप स्वीकार करते हैं कि आप गलत हैं। उन्होंने अकादमी में बहस के नियमों के मामले में निष्पक्षता से नहीं खेला। और मुझे खुद पर शर्म आ रही थी।

मैं ऐसा सोच रहा था, मैं उससे बेहतर तर्क दे सकता था, लेकिन जिस तरह से उसने मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया, उससे ऐसा लगा जैसे मामला कुछ भी नहीं था। और इसलिए, मैंने प्रार्थना करना शुरू कर दिया कि भगवान मुझे ऐसी बुद्धि दे जिसे कोई अस्वीकार न कर सके। मुझे वाद-विवाद पसंद नहीं है, लेकिन हम उनके कार्यालय में घंटों बैठते थे, जो कि उनके समय के साथ बहुत दयालु था।

हममें से अधिकांश जो लिखने आदि में व्यस्त रहते हैं, दिन में केवल इतने ही घंटे होते हैं, लेकिन हम घंटों बहस करते रहते हैं। और जब मैंने प्रार्थना करना शुरू किया, तो वह बहुत घबराया हुआ व्यवहार करने वाला व्यक्ति बन गया। और एक दिन जब मैंने उसे कई अलग-अलग तरह के सबूत दिए, तो उसने कहा, ठीक है, मैं इस तरह के सबूत स्वीकार नहीं करता।

अन्त में, मैंने कहा, यदि कोई तुम्हारे सामने मरे हुआओं में से जी उठे, तो क्या तुम विश्वास करोगे? वह बोला, नहीं। मैंने कहा, एक मिनट रुकिए, आप मुझसे कह रहे हैं कि मैं बंद दिमाग वाला हूँ क्योंकि मैं ईसाई हूँ? भले ही मैं नास्तिक था, ईसा मसीह से मुलाकात के बाद मैं ईसाई धर्म में

परिवर्तित हो गया। आप मुझसे कह रहे हैं कि मैं बंद दिमाग का हूँ, लेकिन अगर आपके सामने किसी को मृतकों में से जीवित कर दिया जाए तो भी आप विश्वास नहीं करेंगे? यह सही है।

वैसे भी, ऐसा कभी-कभी होता है और पवित्र आत्मा हमें इसके लिए ज्ञान दे सकता है। और कुछ लोग दूसरों की तुलना में इसमें अधिक कुशल होते हैं, लेकिन कुछ लोगों को ऐसा करने में सक्षम होने का उपहार दिया जाता है। मेरा उपहार आमतौर पर मेरे लेखन में काम आता है।

लेकिन किसी भी मामले में, स्टीफन आत्मा और बुद्धि से भरपूर था। वह चिन्ह और चमत्कार कर रहा था। वे इसका खंडन नहीं कर सके।

और इसलिए, वे इस हेलेनिस्टिक आराधनालय में उससे परेशान हो रहे थे। खैर, वे इतने परेशान क्यों थे? यह उनके समुदाय में एक आंतरिक मुद्दा बन गया था। इस पर उनका समुदाय विभाजित हो गया।

साथ ही, हो सकता है कि वे अपने विदेशी होने की भरपाई भी कर रहे हों। जरूरी नहीं कि हर कोई ऐसा करे। लेकिन पहली पकड़, जब आप जोसेफस को पढ़ते हैं, और आप प्रेरितों के काम अध्याय 12 को पढ़ते हैं, तो ऐसा लगता है कि उसने इस तथ्य की भरपाई करने की कोशिश की है कि वह यरूशलेम से नहीं था, यहूदिया से बिल्कुल भी नहीं था।

उन्होंने अपना अधिकांश जीवन रोम में यहूदी समुदाय के सबसे रूढ़िवादी गुट के साथ पहचान बनाने की कोशिश में बिताया था। और ऐसा करके वह यहूदी राष्ट्रवाद को बढ़ावा दे रहा था। कभी-कभी जब लोग गाना बजाते हैं, तो वे अधिक से अधिक ध्रुवीकृत हो जाते हैं क्योंकि प्रत्येक पक्ष के लोग अपने विशेष समूह में सबसे रूढ़िवादी आवाज़ के लिए अपील कर रहे होते हैं।

और संवाद कम से कम संभव हो जाता है। फरीसियों ने पहली पीढ़ी के मुक्त दासों को धर्मांतरण करने वालों के ठीक नीचे स्थान दिया क्योंकि उन्होंने कहा, यदि आप एक गुलाम माँ से पैदा हुए थे, तो हम वास्तव में नहीं जानते कि आपके पिता यहूदी थे। तो, उनके पास भी यह उनके खिलाफ था, हालांकि हम नहीं जानते कि उनमें से कितने पहली पीढ़ी के मुक्त दास थे और कितने मुक्त दासों के वंशज थे।

और संभवतः कुछ अन्य लोग भी थे जो इसकी प्रतिष्ठा के कारण आराधनालय में शामिल हुए थे, जो बिल्कुल भी मुक्त व्यक्ति नहीं थे। जिन स्थानों का उल्लेख किया गया है कि ये लोग कहां से आए थे, जिनमें अलेक्जेंड्रिया, सिलिसिया आदि शामिल हैं, बाद के स्रोत अलेक्जेंड्रिया के एक आराधनालय और सिलिशियों के एक आराधनालय, दोनों स्थानों पर बड़े यहूदी समुदायों की पुष्टि करते हैं। अलेक्जेंड्रिया में संभवतः यहूदिया और गलील के बाहर सबसे बड़ा यहूदी समुदाय था।

परन्तु किलिकिया का यह उल्लेख करना बहुत महत्वपूर्ण है कि मुक्त किये गये व्यक्तियों के आराधनालय में ये लोग कहाँ से आये, क्योंकि किलिकिया की राजधानी टार्सस थी। और प्राचीन काल में लगभग हर कोई जो कुछ भी जानता था, वह जानता था। और इसलिए कोई व्यक्ति जो संभवतः इस आराधनालय का सदस्य था, टार्सस का शाऊल था।

और जैसे-जैसे प्रेरितों की पुस्तक आगे बढ़ती है, आपको इसके बारे में और अधिक सुराग मिलते हैं। लेकिन रोम में मुक्त किए गए लोग अक्सर पूर्व की ओर अपना रास्ता बनाते थे और वे संभवतः आराधनालय का गठन करते थे। चूँकि वे उन्हें किसी अन्य तरीके से प्राप्त नहीं कर सकते, इसलिए कुछ लोग नियमों के अनुसार नहीं खेलने को तैयार हैं।

हमें इस बात का कोई संकेत नहीं है कि टार्सस का शाऊल ऐसा ही था। संभवतः वे सभी उस तरह के नहीं थे, लेकिन उनमें से कुछ को कुछ झूठे गवाह मिले। और अध्याय 6, श्लोक 11 से 15 में, वे स्तिफनुस पर ईशनिंदा का आरोप लगाते हैं।

अब, जिस सबसे तकनीकी तरीके से इस शब्द का इस्तेमाल बाद में रब्बियों द्वारा किया गया, सच्ची ईशनिंदा होने के लिए, आपको ईश्वरीय नाम का दुरुपयोग करना होगा। हालाँकि, ग्रीक शब्द ब्लैस्पेमियो, और फिर से ये हेलेनिस्ट हैं, शुरुआत में, वे शायद यह सब ग्रीक में कह रहे हैं। ये प्रवासी यहूदी तब तक ऐसा नहीं करेंगे जब तक कि वे सीरिया या शायद कुछ अन्य स्थानों से न हों, लेकिन हेलेनिस्ट यहूदी न हों और उन स्थानों से न हों जिनका उल्लेख किया गया है।

वे अरामी भाषा बोलने वाले नहीं होंगे। वे यूनानी भाषा बोलने वाले होंगे। और ईशनिंदा के गैर-तकनीकी सामान्य उपयोग का अर्थ किसी भी प्रकार की निंदा या उपहास करना हो सकता है।

और भगवान से जुड़ा होने पर, इसका मतलब भगवान के प्रति अनादर हो सकता है। तो, आप हमारी परंपराओं के साथ नहीं चलते, आप भगवान की निंदा कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि ईश्वरीय नाम को अपवित्र करने का आदर्श तरीका झूठी शपथ लेना था।

आपने किसी देवता को साक्षी के रूप में बुलाया, या यदि वह सच्चा ईश्वर, इस्राएल का ईश्वर था, तो आपने इस्राएल के ईश्वर को गवाह के रूप में बुलाया। और आप जो कह रहे थे वह यह था, आप जानते हैं, इस भगवान ने देखा है कि मैं सच कह रहा हूँ। और मैं उस ईश्वर को गवाही देने के लिए बुला रहा हूँ कि मैं सच कह रहा हूँ।

और यदि मैं सच नहीं बोल रहा हूँ, तो वह भगवान उसके सम्मान की रक्षा करेगा। व्यापक दुनिया की बात करें तो वह भगवान या देवी मुझे दंड देकर अपने सम्मान की रक्षा करेंगे। और यदि यह इस्राएल का परमेश्वर है, तो वह मुझे दण्ड देकर अपने सम्मान की रक्षा करेगा।

खैर, ज़्यादातर लोग झूठी शपथ नहीं लेना चाहते थे। ऐसा करने वाला कोई ऐसा व्यक्ति था जिसके मन में वास्तव में देवता के प्रति बहुत अधिक सम्मान नहीं था। प्राचीन काल में अधिकांश लोग देवताओं से डरते थे, हालाँकि कुछ लोग स्पष्ट रूप से दूसरों की तुलना में उनसे अधिक डरते थे।

और कुछ लोग दूसरों की तुलना में सच्चे ईश्वर से अधिक डरते थे। खैर ये तो विडम्बना है। वे स्टीफन पर ईश्वरीय नाम की निंदा करने का आरोप लगा रहे हैं।

लेकिन विडम्बना यह है कि ये झूठे गवाह हैं। वे शपथ लेकर झूठी गवाही देते हैं और इस तरह ईश्वरीय नाम का अपमान करते हैं। खैर, एक पूर्व-ईसाई अलंकारिक मैनुअल था, जिसका

संभवतः व्यापक रूप से उपयोग नहीं किया गया था, लेकिन रेटोरिका में विज्ञापन अलेक्जेंड्रम को कभी-कभी अरस्तू के नाम से गलत ठहराया जाता था।

अलंकारिक तकनीकों में से एक जिसे यह विस्तार से संबोधित करता है वह यह है कि शपथ के तहत कैसे झूठ बोला जाए और कैसे प्रेरक बने। यह उस दौर में था जब बयानबाजी या पेशेवर सार्वजनिक भाषण की नैतिकता के बारे में कोई चिंता नहीं थी, जिसे दार्शनिकों द्वारा निपटाया जाने वाला कुछ माना जाता था। यह जीतने की बात थी।

आप एक मुक्किल का बचाव कर रहे थे. तुम्हें अपना केस जीतना होगा. इसलिए, उन्होंने उन्हें सिखाया कि शपथ के तहत झूठ कैसे बोला जाता है।

और जाहिर तौर पर, इन लोगों ने शायद रेटोरिका कभी नहीं पढ़ी थी विज्ञापन अलेक्जेंड्रम, लेकिन ऐसे लोग भी थे जो शपथ के तहत झूठ बोल रहे थे, और यह ज्ञात था कि कुछ लोग झूठ बोल रहे थे, ठीक है, ये लोग शपथ के तहत झूठ बोल रहे थे। वे धर्मात्मा नहीं थे. वे ईश्वर से डरने वाले नहीं थे.

टोरा, व्यवस्थाविवरण 19 श्लोक 18 और 19 के अनुसार, और रोमन कानून के अनुसार भी, पूंजी मामले में झूठे गवाह मौत के योग्य थे। उन्हें फाँसी दी जानी थी। स्टीफन पर ये हैं आरोप.

खैर, आरोप यह है कि उसने कानून और मंदिर के खिलाफ बोलकर, या जैसा कि वे कहते हैं, इस पवित्र स्थान के खिलाफ बोलकर भगवान के खिलाफ बात की है। अब, इससे जुनून भड़क सकता है। यह केवल धार्मिक मसला नहीं था.

यह एक राष्ट्रवादी मुद्दा था. यह उस संस्कृति में कुछ ऐसा था कि वे आपस में इतने घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए थे। मैं जानता हूँ कि मेरे देश में कभी-कभी लोग भगवान और देश के बारे में बात करते हैं और उनका राष्ट्रवाद उनकी धार्मिक प्रतिबद्धता से जुड़ जाता है।

यह वास्तव में बुरी तरह से काम करता है, प्रथम विश्व युद्ध की तरह, जहां आपके पास ऐसे देश थे जो ईसाई होने का दावा करते थे, और भाग लेने वाले कई देशों ने ईसाई होने का दावा किया था, और फिर भी यह राष्ट्रवाद था जिसने इस युद्ध को प्रेरित किया, और इसके विनाशकारी प्रभाव हुए। यह उन देशों में भी है जहां आपकी जातीय निष्ठाएं हैं। मेरी पत्नी एक ऐसे देश में गृह युद्ध में शरणार्थी थी जहां 89% लोग ईसाई होने का दावा करते थे, और फिर भी आपका एक जातीय समूह दूसरे जातीय समूह के खिलाफ लड़ रहा था, या देश का एक हिस्सा देश के दूसरे हिस्से के खिलाफ लड़ रहा था।

जाहिर है, सभी लोग वास्तविक ईसाई नहीं थे, और जाहिर है, कुछ लोगों को ऐसी स्थितियों में डाल दिया गया था जहां उन्हें अपनी रक्षा करनी थी, और जाहिर है, ज्यादातर लोग गैर-लड़ाकू थे जो युद्ध में फंस गए थे। लेकिन यह सब कहने के लिए, कभी-कभी राष्ट्रवाद भी चीजों को संचालित करता है। इस देश में, अगर कोई ईश्वर द्वारा देश पर फैसला लाने की बात करता है, तो राष्ट्रवाद ऐसा है कि यह सिर्फ एक कथा नहीं है, यह एक तरीका है जिससे लोग इसके खिलाफ प्रतिक्रिया करते हैं।

तो, आपके पास जेरेमिया राइट नाम का कोई व्यक्ति था जिसे मैं जानता हूँ, जिसने गरीबों पर अत्याचार और नस्लवाद आदि के कारण देश पर फैसला सुनाया था, और वह राजनीतिक वामपंथ से बोल रहा था, और उसकी निंदा की गई थी। पैट रॉबर्टसन, कोई व्यक्ति जो इस देश में गर्भपात और अन्य चीजों के बारे में दाईं ओर से बोल रहा था, और उसने कहा, आप जानते हैं, निर्णय आ रहा है, और उसकी निंदा की गई। खैर, मुझे ऐसा लगता है कि चाहे आप इसकी निंदा दायें से करें या बायें से, यदि आप कहते हैं कि अमेरिका पर फैसला आ रहा है, तो बहुत सारे अमेरिकी परेशान हो जायेंगे, और इसलिए यह एक ऐसा मुद्दा बन गया है कि यदि आप इसके सदस्य होते मण्डली जहाँ किसी ने ऐसा कहा, वे किसी दिन इसका उपयोग आपके विरुद्ध कर सकते हैं।

तो शायद आप नहीं चाहेंगे कि मैं कहूँ कि इस देश पर फैसला आने वाला है, अगर आप इस देश में रहते हैं, क्योंकि मैंने जो कहा है उसे सुनने से आपको परेशानी हो सकती है। लेकिन किसी भी मामले में, बाइबल कहती है कि प्रभु पृथ्वी के सभी राष्ट्रों का न्याय करने के लिए उठ खड़े होंगे। कोई भी राष्ट्र पूर्णतः सदाचारी नहीं है।

लेकिन इस मामले में, यह एक राष्ट्रवादी और धार्मिक मुद्दा दोनों था, क्योंकि उन्हें लगता था कि हम भगवान के लोग हैं। आप मंदिर पर फैसला नहीं सुना सकते। खैर, मंदिर पर फैसला सुनाने के कारण यिर्मयाह को बहुत परेशानी हुई।

यिर्मयाह अध्याय 7, आप इस मंदिर को चोरों की मांद की तरह मानते हैं, एक पाठ जिसे यीशु ने ल्यूक अध्याय 19 में उद्धृत किया है, लुटेरों की मांद की तरह। यहीं पर लुटेरे अपना लूटा हुआ माल जमा करते थे क्योंकि उन्हें लगता था कि यह उनके लिए एक सुरक्षित जगह है। यिर्मयाह ने कहा, देख, यहोवा का मन्दिर, यहोवा का मन्दिर हमारे बीच में है।

परमेश्वर अपने घराने का न्याय न करेगा, परन्तु मैं इस घर का, जो मेरा कहलाता है, वैसा ही करूँगा, जैसा मैंने शीलो का किया था, यहोवा की यही वाणी है। वह स्थान जहाँ स्पष्टतः तम्बू नष्ट भी हो गया था, या यदि वह नष्ट नहीं हुआ था, यदि वह बच गया था। किसी भी स्थिति में, युद्ध में सन्दूक पर कब्जा कर लिया गया, और शीलो, वह स्थान जहाँ तम्बू था, नष्ट कर दिया गया।

मन्दिर के विरुद्ध भविष्यवाणी करने पर दण्ड दिया गया। यिर्मयाह को काठ में डाल दिया गया, उसे पीटा गया। प्रथम शताब्दी में उन्हें दण्ड भी दिया गया।

इसके एक पीढ़ी बाद जोशुआ बेन हनन्या के नाम से एक भविष्यवक्ता, हम नहीं जानते कि वह ईसाई था या नहीं, लेकिन उसने सही कहा, मंदिर पर फैसला आ रहा है, और वह मंदिर पर फैसला सुनाता फिर रहा था। मुख्य पुजारियों ने, जो उनके सम्मान की अवहेलना थी, उसे गिरफ्तार कर लिया और रोमन अधिकारियों को सौंप दिया। गवर्नर ने उसे पीटा, जोसीफस ने जोसीफस के युद्ध, पुस्तक छह, पैराग्राफ 300 और उसके बाद में कहा, उसे तब तक पीटा गया जब तक उसकी हड्डियाँ दिखाई नहीं देने लगीं, और फिर उसे छोड़ दिया गया क्योंकि उन्हें लगा कि वह पागल है।

उन्होंने नहीं सोचा था कि वह कोई और खतरा था, और उसके कोई अनुयायी नहीं थे, क्योंकि ज़्यादातर लोग उस पर विश्वास नहीं करते थे। लेकिन मंदिर के खिलाफ़ भविष्यवाणी करने पर सज़ा हो सकती है। आपने देखा कि जब यीशु ने मन्दिर में मेज़ें पलट दीं तो उसके साथ क्या हुआ।

अतः मंदिर में कानून के विरुद्ध बोलना दंडनीय अपराध था। क्या स्टीफन कानून के खिलाफ़ बोल रहा था? आप उसकी प्रतिक्रिया देखें, और स्टीफन कानून की पुष्टि करता है। वह सीधे तौर पर उस आरोप का जवाब भी नहीं देता है, वह हर जगह सिर्फ़ कानून का हवाला देता है और दिखाता है कि वह कानून का समर्थन करता है।

वास्तव में, अंत में, वह अपने आरोप लगाने वालों के खिलाफ़ आरोप लगाने जा रहा है और उन्हें उन लोगों के रूप में बुलाएगा, जिन्होंने स्वर्गदूतों के माध्यम से दिए गए कानून का विरोध किया था, वह उनके बारे में उन लोगों के रूप में बात करने जा रहा है जिन्होंने पैगम्बरों के काम को चरमोत्कर्ष पर पहुंचा दिया, विरोध किया पवित्र आत्मा जो भविष्यवक्ताओं के माध्यम से बोलता है, और वह उन्हें हठीले और दिल और कान में खतनाहीन कहेगा, जिसका अर्थ है कि वे कानून का पालन नहीं करते हैं। तो, हालाँकि, उस आरोप के बारे में क्या, कि स्तिफनुस ने मंदिर को चुनौती दी थी? खैर, आप जानते हैं, ईसाई मंदिर में पूजा कर रहे थे। वे वास्तव में मंदिर के खिलाफ़ नहीं थे, लेकिन स्टीफन मंदिर को चुनौती देने जा रहे हैं, एक तरह से, जिससे शायद यरूशलेम के प्रेरित भी असहज हो गए होंगे क्योंकि निकट भविष्य में भविष्य यरूशलेम के पास नहीं है, और यह अल्पावधि में मंदिर के साथ नहीं था।

वे स्टीफन के चेहरे को एक देवदूत की तरह देखते हैं, और कभी-कभी आप किसी को लगभग महिमा से चमकते हुए देख सकते हैं, उनका चेहरा अभी भी है, लेकिन ठीक उसी तरह जैसे उनका चेहरा प्रभु के साथ चमकता है। लेकिन शायद यह ल्यूक 9 को याद दिला रहा है, वह रूपान्तरण जब यीशु महिमा से चमक रहे थे। और इसके लिए पुराने नियम का मॉडल वह है जब मूसा का रूपांतर किया गया था।

प्राचीन काल में ऐसे बहुत से लोग थे जो किसी के चमकने या ईश्वर के चमकने या बिजली में बदलने या कुछ और के बारे में बात करते थे, लेकिन जिस वृत्तांत से अधिकांश यहूदी लोग और अधिकांश अन्य लोग जो टोरा को बिल्कुल भी जानते थे, वे परिचित थे, वह मूसा के होने का वृत्तांत था। रूपान्तरित और मूसा को भी स्वर्गदूतों के द्वारा व्यवस्था प्राप्त हुई। तो, आप जानते हैं, स्तिफनुस उस बारे में बात करने जा रहा है, जलती हुई झाड़ी में मूसा के बारे में, स्वर्गदूत ने उससे बात की।

और श्लोक 53 में, कानून स्वर्गदूतों के माध्यम से दिया गया था। प्रेरितों के काम की पुस्तक में अन्यत्र भी स्वर्गदूत परमेश्वर के सेवकों के साथ हैं। अध्याय 5 और पद 19 में एक देवदूत ने उन्हें जेल से मुक्त कर दिया था।

अध्याय 8 और श्लोक 26 में, एक देवदूत अफ्रीकी अदालत के अधिकारी को खुशखबरी लाने के लिए फिलिप को रास्ते में भेजने जा रहा है। अध्याय 10 और पद 3 में, एक स्वर्गदूत कुरनेलियुस

को दिखाई देता है। अध्याय 12 में, प्रभु का दूत पतरस को हिरासत से, हिरासत से मुक्त करने जा रहा है।

और साथ ही, बाद में अध्याय में, प्रभु का यह दूत अग्रिप्पा में दैवीय सम्मान प्राप्त करने के लिए उसे मारने जा रहा है जैसे कि वह दिव्य हो। तो देवदूत कथा में खेलते हैं, लेकिन यहां स्टीफन उन्हें एक देवदूत की तरह दिखता है। संभवतः यह ल्यूक अध्याय 9 में आपके स्तर का परिवर्तन नहीं है, लेकिन यह उनका ध्यान आकर्षित करता है और यह कुछ ऐसा है जिसका वे खंडन नहीं कर सकते हैं।

खैर, अध्याय 7 में, स्टीफन के भाषण में, उसके खिलाफ दो आरोप हैं कि वह कानून के खिलाफ है, वह मूसा के खिलाफ है, और वह मंदिर के खिलाफ है, इस पवित्र स्थान के खिलाफ है। इस पर वह दो प्रमुख प्रतिक्रियाएं देते हैं। सबसे पहले, वह पतरस को नज़रबंदी से रिहा करने जा रहा है और वह यह दिखाकर मंदिर को जवाब देने जा रहा है कि भगवान वास्तव में मंदिर तक ही सीमित नहीं है।

वह स्पष्ट कर रहा है कि वह वास्तव में क्या कह रहा है। और फिर दूसरी बात, वह आरोप वापस करने जा रहा है, जो प्राचीन काल में मानक अभ्यास था। यदि किसी ने आप पर कोई आरोप लगाया है, यदि आप ऐसा करने में सक्षम होते, तो आप उन पर भी उसी अपराध का आरोप लगाते।

एक वक्ता था जिसने कहा कि उसे आरोप लगाने वालों ने पीटा था और उसने कहा, उन्होंने उस पर आरोप लगाने का दुस्साहस किया क्योंकि वह जीवित था, जो उसकी गलती नहीं थी। उन्हें आरोपी के खिलाफ इसे वापस करना पसंद आया। सिसरो इसमें माहिर था और वह जहरीला हो सकता था।

सिसरो कहते हैं, यह एक महिला जो अभियोजन पक्ष के गवाहों में से एक का हिस्सा थी, और वह एक विधवा है, इसका कारण मैं बताना नहीं चाहती, कि वह वही है जिसने अपने पति को मार डाला था, लेकिन वह सिर्फ जहरीला था। लेकिन फिर भी, आरोप वापस करके आपने हमारे पूर्वजों के विद्रोह को चरमोत्कर्ष पर पहुँचा दिया। हमारे पूर्वजों ने यूसुफ को अस्वीकार कर दिया था, जिसे हमारा उद्धारकर्ता बनने के लिए भेजा गया था।

उन्होंने मूसा को अस्वीकार कर दिया, जो उनका उद्धारकर्ता बनने के लिए भेजा गया था। और मूसा को उनका छुड़ानेवाला बनाकर भेजा गया। सिसरो ने कहा कि ईश्वर उसके जैसा भविष्यवक्ता पैदा करेगा।

खैर, भगवान ने ऐसा किया है और अंदाज़ा लगाइये क्या? एक तरीके से कि वह मूसा की तरह होता, उसे अस्वीकार कर दिया गया। और तू ने भविष्यद्वक्ताओं को मार डाला। और अब तुम ने, जो भविष्यद्वक्ताओं को मार डाला उनके वंशजों ने, तुम ने पवित्र और धर्म को मार डाला है।

आप देख सकते हैं कि आखिर में उसे पत्थर क्यों मारा जाता है। मैं सोचता था कि जब मैं पहली बार प्रेरितों के काम का अध्याय सात पढ़ता था, तो उन्होंने उसे पत्थर मार दिया क्योंकि उसने



उन्हें इतिहास का एक उबाऊ पाठ पढ़ाया था। लेकिन नहीं, वह उन्हें एक बहुत ही महत्वपूर्ण चेतावनी दे रहा था।

लोग अक्सर ऐसा करते हैं, यहूदी लोग अक्सर, और कई यहूदी दस्तावेजों में आपके पास इज़राइल के इतिहास के बारे में कुछ है जिसका उपयोग किया जाएगा। कुछ भजन ऐसा करते हैं। लेकिन आपके पास इतिहास के माध्यम से विभिन्न लोगों की पुनर्गणना है।

सिराच की किताब में, आपके पास वह है। आपके पास वह भी कुछ मैकाबीयन साहित्य में है। आपके पास इब्रानियों अध्याय 11 में वह है, जो बहुत ही उत्कृष्ट रूप से अलंकारिक रूप से डिज़ाइन किया गया है।

स्टीफन यहाँ ऐसा करता है। लेकिन हमेशा एक बिंदु के साथ यह इतिहास था। प्राचीन काल में इतिहास, जैसा कि हमने प्रस्तावना में बताया था, एक बिंदु के साथ बताया जाना था।

तो, स्टीफन यहाँ वही कर रहा है जो ल्यूक अपने दो-खंड के काम में यीशु के इतिहास और प्रारंभिक ईसाई मिशन के इतिहास के साथ कर रहा है। मुद्दा यह है कि अगर हम सीखना चाहते हैं कि ल्यूक क्या करता है, जैसे कि जब वह विभिन्न पात्रों के समानांतर होता है, तो वह यीशु, पीटर और पॉल के समानांतर होता है, या स्टीफन के निष्पादन में यीशु के साथ समानांतर होता है। खैर, वह बातें बनाकर ऐसा नहीं कर रहा है।

वह वैसा ही कर रहा है जैसे स्टीफन यहां पुराने नियम के साथ करता है, विभिन्न पात्रों को जोड़ रहा है, सामान्य विशेषताएं दिखा रहा है, और भगवान इतिहास में कुछ तरीकों से कैसे काम करता है। वह वहां मौजूद कुछ समानताओं को उजागर कर रहा है। यह देखकर कि स्टीफन यह कैसे करता है, हमें ल्यूक की अपनी व्याख्या का एक सुराग मिलता है।

स्टीफन के संदेश की रूपरेखा. इब्राहीम को आयत दो से आठ में संबोधित किया गया है। हम देखते हैं कि भगवान सिर्फ पवित्र भूमि में ही नहीं बोलते हैं।

भगवान ने मेसोपोटामिया में इब्राहीम से बात की। और यूसुफ आयत नौ से सोलह तक। खैर, यूसुफ को अपने ही भाइयों द्वारा अस्वीकार किए जाने के बाद मिस्र में ऊंचा स्थान मिला।

मूसा को न केवल पवित्र भूमि के बाहर कहीं ऊंचा किया गया है, बल्कि जब मूसा सिनाई पर्वत पर भगवान की पूजा करता है, और जब मूसा को लोगों को सिनाई पर्वत पर पूजा करने के लिए लाने के लिए कहा जाता है, तो स्टीफन पुराने नियम की भाषा को उद्धृत करता है। और परमेश्वर ने मूसा से कहा, अपनी जूतियां उतार दो, क्योंकि यह स्थान पवित्र है। यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है? क्योंकि स्तिफनुस पर इस पवित्र स्थान की निन्दा का दोष लगाया गया था।

तो अब स्तिफनुस ने उत्तर दिया, यह पवित्र स्थान, यह पवित्र स्थान, मन्दिर ही एकमात्र पवित्र स्थान नहीं है। अरब के रेगिस्तान के बीच में एक पहाड़ एक पवित्र स्थान हो सकता है। कोई भी स्थान जहां भगवान एक पवित्र स्थान है।

और यह ईश्वर की उपस्थिति है जो मायने रखती है। यह पवित्र आत्मा है जो मायने रखती है। यह आपका पारंपरिक व्यवहार नहीं है, जो प्राचीन दुनिया, प्राचीन भूमध्यसागरीय और प्राचीन मध्य पूर्वी दुनिया में पारंपरिक था, यह कहते हुए कि हमारे पास पवित्र स्थल हैं, हमारे पास पवित्र स्थान हैं।

वास्तव में किस चीज़ ने किसी स्थान को सबसे पवित्र बनाया, और आपके पास यह पुराने नियम में भी है, लेकिन जो चीज़ वास्तव में किसी स्थान को सबसे पवित्र बनाती है वह यह थी कि इसे भगवान की स्वयं की उपस्थिति द्वारा पवित्र किया गया था। संभवतः यही एक कारण है कि कनानी, जब आपकी एक संस्कृति दूसरी संस्कृति का स्थान लेती है, तो वे एक स्थान को नष्ट कर सकते हैं, लेकिन वे उसी स्थान पर एक मंदिर का पुनर्निर्माण करेंगे। परन्तु जब इस्राएली आए, तो उन्होंने उसे नष्ट कर दिया।

जब वे अंदर आये तो उन्होंने मंदिरों को तोड़ दिया, मूर्तियों को तोड़ दिया क्योंकि उनके भगवान अलग थे और उनका पवित्र स्थान अलग होगा। तो वैसे भी, मूसा को उसके भाइयों ने अस्वीकार कर दिया था जिन्होंने तुम्हें हम पर शासक या न्यायाधीश बनाया था। और मूसा, पवित्र स्थान पवित्र भूमि के बाहर था, भले ही दूसरी शताब्दी की शुरुआत से मेखिल्टा में, हमने यहूदी परंपरा पढ़ी कि भगवान केवल पवित्र भूमि में बोलते थे।

खैर, ईजेकील के बारे में क्या? खैर, वह नदी के किनारे था केबर . भगवान कुछ शर्तों के तहत पवित्र भूमि के बाहर बात कर सकते हैं, इसलिए पानी के पास एक पवित्र स्थान। और इसलिए उन्होंने बाकी सभी चीज़ों को अपवाद के रूप में समझाया।

जब आपके पास बहुत अधिक अपवाद हों, तो संभवतः आपके नियम में कुछ गड़बड़ है। लेकिन ये एक परंपरा थी. यह राष्ट्रवादी था.

और इसलिए, वह मूसा और मूसा जैसे भविष्यवक्ता के बारे में बात करके आगे बढ़ता है। वह कहता है, तुम्हारे पुरखाओं ने जंगल में मूसा से बलवा किया। हमारे पूर्वज, लेकिन वह आपके पूर्वजों पर ध्यान केंद्रित करने जा रहा है क्योंकि वह मूसा और पैगम्बरों के साथ पहचान स्थापित करने जा रहा है।

उनकी पहचान इज़राइल के इतिहास में दूसरे पक्ष से की जाती है। पूर्वजों के विद्रोह, अध्याय 7, श्लोक 38 से 50 में, वह इसे विस्तार से करता है। अब, आप अपने संदेश की शुरुआत में विवादास्पद बातों पर नहीं जाना चाहेंगे, क्योंकि यदि शुरुआत में ही आप पर पथराव हो जाएगा, तो आपको इब्राहीम, जोसेफ और मूसा के बारे में बात करने का मौका नहीं मिलेगा।

वह अपना मामला पर्याप्त बनाना चाहता है। थॉमस क्रैनमर के बारे में कहा जाता है कि इससे पहले कि वे वास्तव में उसे खींचते और निर्णय लेते कि उसे फाँसी देने की ज़रूरत है, वह कुछ बातें कहने में कामयाब रहा क्योंकि उन्हें इसकी उम्मीद नहीं थी। इसलिए, आप कुछ समय के लिए कुछ चीज़ों से बच सकते हैं, लेकिन आप अपनी सबसे विवादास्पद चीज़ों को सामने नहीं रखना चाहते।

आप कम से कम कुछ सुनवाई तो पाना चाहते हैं. क्या वहां कभी किसी ने धर्म परिवर्तन किया? खैर, हम बाद में किसी के बारे में सुनते हैं। लेकिन फिर भी, वह श्लोक 51 से 53 में अपने आरोप लगाने वालों पर आरोप लगाता है।

तभी उन्होंने उसे काट दिया। वह आरोपों को उलट देता है, जो सामान्य तरीका था। अब, स्टीफन ने इतिहास में जो समानताएँ बनाई, उनमें से कुछ समानताएँ तोरा में, पेंटाटेच में, जोसेफ और मूसा के बीच पहले से ही मौजूद थीं।

यह आश्चर्य की बात नहीं है कि स्टीफन इतिहास के आंकड़ों को जोड़ देगा क्योंकि आपके पास उत्पत्ति के अंत और निर्गमन के प्रारंभिक भाग के बीच पहले से ही इनमें से कुछ साहित्यिक संबंध हैं। ये कहानियाँ निःसंदेह एक साथ कही गई थीं। यूसुफ के भाइयों ने उसे गुलामी के लिए बेच दिया।

मूसा का परिवार, जो गुलाम था, ने उसे गुलामी से बचाया। मिद्यानियों ने यूसुफ को मिस्र में बेच दिया। जब मूसा मिस्र से भागा, तो मिद्यानियों ने उसका स्वागत किया।

यूसुफ फिरौन का पिता बना। वह फिरौन का पिता बन गया, जो वास्तव में मिस्रवासियों द्वारा कभी-कभी इस्तेमाल की जाने वाली उपाधि थी। मूसा फिरौन की बेटी का पुत्र बन गया।

यूसुफ को अचानक दासता से मुक्त कर दिया गया और उसे मिस्र का राजकुमार बना दिया गया। दासों की रक्षा करके मूसा ने अचानक अपनी मिस्र की राजशाही, अपनी रायल्टी खो दी। यूसुफ ने सारे मिस्र को फिरौन का दास बना लिया।

मूसा के माध्यम से, भगवान ने दासों को मुक्त कर दिया। यूसुफ के माध्यम से, भगवान ने मिस्र को अकाल के दौरान बचाया। मूसा के माध्यम से, परमेश्वर ने मिस्र की अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया।

मिस्र में निर्वासित जोसेफ ने मिस्र के एक पुजारी की बेटी से शादी की। मिस्र से निर्वासित मूसा ने एक मिद्यानी पुजारी की बेटी से शादी की। यूसुफ के पहले बेटे का नाम, उसके दो बेटों का नाम रखा गया था, ऐसा प्रतीत होता है कि अन्य भी थे, जोसफ के एक विदेशी भूमि में प्रवास को दर्शाता है।

मूसा के दो नामित पुत्रों में से पहले का नाम मूसा के विदेशी भूमि में प्रवास का स्मरण कराता है। जोसेफ के मामले में भावी मुक्तिदाता के नेतृत्व को शुरू में उसके भाइयों ने अस्वीकार कर दिया था, जिन्होंने उसे गुलामी में बेच दिया था। मूसा के मामले में भावी उद्धारकर्ता के नेतृत्व को शुरू में उसके भाइयों ने अस्वीकार कर दिया था जब उन्होंने कहा था, तुम्हें हम पर शासक या न्यायाधीश किसने बनाया? तो स्टीफन पुराने नियम के साथ जो कर रहा है वह उस पैटर्न का अनुसरण कर रहा है जो पुराने नियम में पहले से ही मौजूद है, जिसमें अस्वीकृत उद्धारकर्ता का पैटर्न भी शामिल है, जिसे वह इन विभिन्न मामलों में उजागर करने जा रहा है।

न्यायाधीश, महायाजक, जो महासभा का कार्यवाहक नेता था, स्टीफन को आरोप से इनकार करने का अवसर प्रदान करता है। खैर, यह एक दयापूर्ण कार्य है। लेकिन स्टीफन आगे बढ़ता है और इस मामले को बनाता है।

और स्टीफन कुछ स्वतंत्रताएँ लेता है क्योंकि वह पुराने नियम का पालन कर रहा है। और ये वे स्वतंत्रताएँ थीं जो आम तौर पर यहूदी शिक्षकों द्वारा ली जाती थीं। दरअसल, जब वह इन कहानियों को दोबारा सुनाता है तो वह आमतौर पर यहूदी शिक्षकों की तुलना में बहुत कम स्वतंत्रता लेता है।

समानताएं, आप स्टीफन द्वारा अनुसरण की जा रही कहानियों में पहले से ही उस तरह की पैटर्निंग देख सकते हैं। तथ्य यह है कि उन्होंने पेंटाटेच में इतना समय बिताया, ठीक है, याद रखें कि सद्कियों को पेंटाटेच विशेष रूप से पसंद था। वास्तव में, अलेक्जेंड्रिया के फिलो, एक यहूदी दार्शनिक, मूल रूप से, अलेक्जेंड्रिया में, लगभग हमेशा चीजों को केवल पेंटाटेच तक ही रखते हैं, जो कि यदि आप एक पूर्वी यहूदी हैं तो समझ में आ सकता है।

लेकिन किसी भी मामले में, स्टीफन की स्वतंत्रता। वह आमतौर पर सेप्टुआजेंट का अनुसरण करता है, जो उसके समय में पुराने नियम का सबसे आम ग्रीक संस्करण था। वह सारांश प्रस्तुत करता है।

वह इसे घंटों तक नहीं बोलेगा जैसे कि शायद अधिनियम 3 घंटों के भाषण का सारांश है। लेकिन स्टीफन के पास शायद इतना समय नहीं होगा। तो, स्टीफन सारांशित करता है।

इसलिए कभी-कभी वह कुछ घटनाओं को दूरबीन से देखता है, और कुछ घटनाओं को एक साथ मिला देता है। उनका अधिकांश भाषण सेप्टुआजेंट से बाइबिल उद्धरण मात्र है। कभी-कभी वह मूसा की मिस्री शिक्षा जैसा अनुमान देता है।

उन्हें मिस्रवासियों की सारी विद्याओं और विद्याओं की शिक्षा मिली थी। खैर, यदि मूसा शाही दरबार का सदस्य होता तो आप यही अपेक्षा करते। उसे उसी तरह की शिक्षा मिली होगी, जैसी डैनियल को मिली थी, और डैनियल शाही दरबार का सदस्य भी नहीं था।

हालाँकि, स्टीफन में अधिकांश पौराणिक अलंकरणों का अभाव है जो आपको यहूदी इतिहासकार जोसेफस में भी मिलता है, कि मूसा ने जाकर इथियोपिया से लड़ाई की थी। यहीं पर उसे अपनी इथियोपियाई पत्नी वगैरह मिली। हमारे पास मूसा और आर्टेपनिस, जो अलेक्जेंड्रिया से लिख रहे हैं, और जोसेफस इत्यादि के बारे में बहुत सारी किंवदंतियाँ हैं।

स्टीफन इस प्रकार के अलंकरणों में समय बर्बाद नहीं करते। वह काफी हद तक पाठ के करीब रहता है। मैं इसे विस्तार से नहीं करने जा रहा हूँ, लेकिन मैं आपको अधिनियम 7 में कुछ पृष्ठभूमि टिप्पणियों पर कुछ विवरण देने जा रहा हूँ। श्लोक 25 मूसा के माध्यम से मुक्ति के बारे में बात करता है।

यहाँ ग्रीक शब्द सोटेरिया है। यह वही शब्द है जिसका उपयोग अध्याय 4 और श्लोक 12 में किया गया है, जहां पीटर और जॉन कहते हैं कि सोटेरिया है, यीशु के नाम के अलावा किसी और के माध्यम से मुक्ति नहीं है। ईश्वर ने पहले भी मुक्ति प्रदान की थी, यीशु के स्तर पर नहीं, बल्कि ईश्वर ने पहले ही मुक्ति प्रदान की थी।

उसने यूसुफ के माध्यम से और यहां स्पष्ट रूप से मूसा के माध्यम से मुक्ति प्रदान की, और फिर भी ये अस्वीकृत मुक्तिदाता थे। तो आप ऐसा क्यों सोचते हैं कि सिर्फ इसलिए कि हमारे नेताओं ने यीशु को अस्वीकार कर दिया, इसका मतलब है कि यीशु मसीहा नहीं हैं? यह पैटर्न पर फिट बैठता है। यह यशायाह 53 पर भी फिट बैठता है, हालाँकि इसे यहाँ उस तरह उद्धृत नहीं किया गया है जिस तरह अगले अध्याय में उद्धृत किया गया है।

अध्याय 7, श्लोक 29 में, उन्हें इसका उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन उन्होंने मूसा के अंतरजातीय विवाह का उल्लेख किया है। मूसा ने एक न्युबियन से शादी की और इस विवाह के साथ संस्कृतियों को पार किया, जैसा कि संख्या 12 में बताया गया है। न्युबियन विशेष रूप से जाने जाते थे, और पुराने नियम में भी, क्या एक इथियोपियाई अपनी त्वचा, या कुशाइट, हिब्रू में कुशी को बदल सकता है।

वे विशेष रूप से अपनी अत्यंत सांवली त्वचा के लिए जाने जाते थे। उनके उत्तर में रहने वाले सभी लोग उन्हें इसी तरह से जानते थे। हालाँकि, सुदूर उत्तर में कुछ लोग अपनी अत्यधिक गोरी त्वचा के लिए जाने जाते थे।

हर कोई हमेशा खुद को सामान्य मानता था और उत्तर के लोगों को प्रकाश और दक्षिण के लोगों को अंधेरा मानता था, चाहे वे स्पेक्ट्रम पर कहीं भी हों। हम पाते हैं कि प्राचीन साहित्य में हर जगह, यूनानियों ने कभी-कभी मिस्रवासियों को काला कहा है, लेकिन मिस्र में यूनानियों ने न्युबियन लोगों को काला कहा है, लेकिन खुद को नहीं। किसी भी स्थिति में, मूसा का अंतर-जातीय विवाह।

जैसा कि हमने देखा, जोसेफ के पास भी एक था। यह संस्कृति से परे धकेलने की शुरुआत है क्योंकि यह कुछ ऐसा था जिसे रूढ़िवादी यहूदी समुदाय द्वारा अत्यधिक तिरस्कृत किया गया था। आपको किसी गैर-यहूदी से शादी नहीं करनी चाहिए।

यह पहले से ही व्यवस्थाविवरण इत्यादि में है, इस संदर्भ में कि आपको उन लोगों के साथ विवाह नहीं करना चाहिए जो अन्य लोगों के देवताओं की पूजा करते हैं, लेकिन बाइबिल के अनुसार यह कोई जातीय मुद्दा नहीं था। 735-38, आप इसे अंग्रेजी अनुवाद में नहीं पकड़ सकते हैं, लेकिन ग्रीक में, जिस शब्द का अनुवाद किया गया है वह पांच बार आता है। ये वाला, ये वाला।

ये वाला, ये वाला। यह बात को घर तक पहुंचाता है। इसका उपयोग बयानबाजी में ज़ोर देने के लिए, अपनी बात मनवाने के लिए किया जाता था।

इसने छुड़ानेवाले को निकम्मा ठहराया, इसी को तूने निकम्मा ठहराया। 741 में वह बछड़े की मूर्ति की बात करते हैं। अब, यूनानियों, यहाँ तक कि यूनानियों ने, अन्य चीजों के अलावा, जानवरों

की आकृतियों और आंशिक पशु आकृतियों की पूजा करने के लिए मिस्रवासियों का तिरस्कार किया, जैसे कि अनुबिस, जिसके पास एक मानव शरीर और एक बिल्ली और एक कुत्ते का सिर है।

यूनानियों और रोमियों ने किसी भी प्रकार की पशु पूजा के लिए मिस्रवासियों को तुच्छ जाना। तो, आप जानते हैं, यहूदी लोग इससे खुश नहीं होंगे। इसे अक्सर इज़राइल के इतिहास में सबसे शर्मनाक प्रकरण माना जाता था।

यहूदी लोग इससे शर्मिंदा थे। बाद में रब्बियों ने इसे समझाने की कोशिश भी की। आप जानते हैं, यह वे विदेशी ही थे जो हमारे बीच आये और जिन्होंने वास्तव में इस सब में नेतृत्व किया, और यह उनकी गलती थी।

लेकिन इसराइल को इस बात पर शर्म आ रही थी, इतना कि जोसीफस, जो पुराने नियम का बहुत सारा अनुसरण कर रहा था, वास्तव में उस दृश्य को छोड़ देता है। यह बहुत शर्मनाक था। 742, वह इस बारे में बात करता है कि वे सूर्य, चंद्रमा और सितारों की पूजा कैसे करते थे।

खैर, यूनानियों ने सोचा था कि सूर्य, चंद्रमा और सितारे भगवान थे। यहूदी लोग आमतौर पर सोचते थे कि वे देवदूत हैं, और इस युग में ज्योतिष का बहुत सम्मान किया जाता था। वास्तव में, इसका इतना अधिक सम्मान किया गया था कि वास्तव में जब आप 6वीं शताब्दी तक पहुँचते हैं, तो आप जानते हैं, हमने गलील से कई आराधनालयों की खुदाई की है।

यह गैलीलियन आराधनालय है जिसमें राशि चक्र की पच्चीकारी के साथ आराधनालय की केंद्रीय मंजिल है और बीच में सूर्य देवता हेलिओस की तस्वीर है। खैर, इसका मतलब यह प्रतीक था कि भगवान सूर्य और सभी सितारों पर हैं, लेकिन जिस कल्पना का उन्होंने उपयोग किया, यहां तक कि पहली शताब्दी में भी, जोसेफस और फिलो ने मंदिर में कुछ चीजों की तुलना नक्षत्रों से की। इस काल तक ज्योतिषीय प्रतीकवाद व्यापक था।

ज्योतिषियों द्वारा उनकी मृत्यु की भविष्यवाणी करने से शासक भयभीत थे, जिससे अशांति फैल गई। यह बेबीलोनिया से पार्थिया तक फैल गया था और इसे उस समय का विज्ञान माना जाता था। तो, आप जानते हैं, अन्यजातियों ने इसका तेजी से अनुसरण किया।

जैसे-जैसे समय बीतता गया यह और अधिक होता गया। यहूदी लोग अक्सर कहते थे, ठीक है, शायद यह अन्यजातियों के लिए भविष्य की भविष्यवाणी कर सकता है, लेकिन यह भविष्य को नियंत्रित नहीं करता है। सितारे भविष्य को नियंत्रित नहीं करते हैं, और वे हमारे भविष्य को नियंत्रित नहीं करते हैं।

तो, यह फिर से कुछ ऐसा होगा जिसकी वे सराहना नहीं करेंगे, उन्हें याद दिलाया जाएगा कि उनके पूर्वज सूर्य, चंद्रमा और सितारों की पूजा करते थे। यह मनश्शे और अन्य लोगों द्वारा फिर से किया गया था लेकिन जंगल में। तो, फिर वह मानव हाथों से बने घरों की बात करते हैं।

खैर, वह श्लोक 41 में पहले ही हाथों से बनाई गई इस भाषा का उपयोग कर चुका है। इसका उपयोग अक्सर यहूदी लोग मूर्तियों के लिए करते थे। मूर्तियाँ असली भगवान नहीं हैं।

वे भगवान नहीं हैं जिन्होंने हमें बनाया। वे देवता हैं जो हमारे द्वारा बनाए गए हैं, मानव हाथों द्वारा बनाए गए हैं। लेकिन अब वह मंदिर का वर्णन करने के लिए उस भाषा का उपयोग करता है।

और सबसे बुरी बात, सबसे आक्रामक बात यह है कि वह इसे यूं ही नहीं बना रहा है। उसके पास इसके लिए बाइबिल की मिसाल है। वह, श्लोक 49 और 50 में, यशायाह की पुस्तक को उद्धृत करता है।

और अक्सर एक तर्क एक कहावत के साथ समाप्त होता है, इस मामले में एक धर्मग्रंथ पाठ के साथ, या एक निर्णायक बिंदु के साथ जो बिंदु को आगे बढ़ाता है। वह मंदिर के बारे में बात कर रहे हैं। खैर, अब उसे मंदिर के बारे में अपना संदेश मिल गया है।

यशायाह 66, पद 1 और 2। यह तम्बू के समय से नहीं आता है जब परमेश्वर ने पहले दाऊद से कहा था, उसके लिए घर मत बनाओ। हालाँकि स्टीफन ने इसका भी उल्लेख किया है। लेकिन यशायाह 66, श्लोक 1 और 2। स्वर्ग मेरा सिंहासन है।

पृथ्वी मेरे चरणों की चौकी है। तुम मेरे लिए कौन सा घर बनाओगे? तो, एक तरह से, वह उनके संदेह की पुष्टि करता है कि वह मंदिर के खिलाफ है। लेकिन वह वास्तव में मंदिर का उपयोग करने के खिलाफ नहीं है।

वह केवल मंदिर में भगवान की पूजा को इस तरह से केंद्रीकृत करने के खिलाफ है कि भगवान कहीं और काम नहीं कर रहे हैं। और अब मसीहा के आगमन के साथ, जैसा कि आप जानते हैं, यह पुराने नियम, व्यवस्थाविवरण में, उस स्थान पर भी नहीं है जिसे भगवान चुनेंगे। और फिर बाद में, आप जानते हैं, यह यरूशलेम होना चाहिए।

यही वह स्थान है जिसे भगवान ने चुना है। उसके लिए शास्त्र था। लेकिन मसीहा के आगमन के साथ, अब कानून यरूशलेम से आगे बढ़ने जा रहा है, जैसा कि यशायाह 2 कहता है।

संदेश आगे जाना था। इसे एक ही स्थान पर केन्द्रित रहना नहीं था। स्टीफन के पास सही धार्मिक दृष्टि थी।

वह धार्मिक आधार तैयार करता है। वह इसे देखने के लिए जीवित नहीं है। वह इसे पूरी तरह से निभाने के लिए जीवित नहीं है।

लेकिन वह धार्मिक आधार तैयार करता है, जिसे अधिनियमों की बाकी किताब में विकसित किया गया है, और विडंबना यह है कि, उन्हीं लोगों में से एक ने इसे अंजाम दिया जो उसके निष्पादन के लिए जिम्मेदार था। अध्याय 7, श्लोक 51 से 53। खैर, वह अपने भाषण के चरम पर आ गया है।

अब वह वह देता है जिसे प्राचीन वक्ता कभी-कभी कहते थे, और जिसे हम आज अक्सर पेरोरेशन कहते हैं। लैटिन में, यह पेरोराशियो था। भाषण का समापन अक्सर भाषण का सबसे भावनात्मक रूप से उत्तेजित करने वाला हिस्सा होता था।

वह अपने आरोप लगाने वालों के खिलाफ आरोप वापस करता है। पहले भाषण में उन्होंने स्पष्ट रूप से ऐसा करने का साहस नहीं किया था, लेकिन पूरे भाषण के दौरान वह इस पर जोर देते रहे और अब वह इस पर आ गए हैं। आपके आरोप लगाने वालों के खिलाफ आरोप वापस करने की प्रथा थी, लेकिन आपके न्यायाधीशों के खिलाफ आरोप वापस करने की नहीं, जो वह यहां करता है।

क्योंकि आप अपने न्यायाधीशों के खिलाफ आरोप वापस करते हैं, आप जानते हैं कि क्या होने वाला है। एपिक्टेटस नाम का एक दार्शनिक, एक स्टोइक दार्शनिक था, और उसने इस एक व्यक्ति के बारे में शिकायत की। वह कहते हैं, आप जानते हैं, आपको अपने लिए परेशानी खड़ी करने की जरूरत नहीं है।

वह आदमी अदालत के सामने जाता है, और वह कहता है, मैं सुकरात की तरह हूं, और आप सुकरात के न्यायाधीशों की तरह हैं। खैर, निःसंदेह, न्यायाधीशों ने उसकी निंदा की। एपिक्टेटस कहता है, आप जानते हैं, यह निर्भीक होना नहीं है, यह मूर्खता है।

खैर, स्टीफन के मामले में, मुझे नहीं लगता कि वह मूर्ख है, लेकिन वह जानता है कि क्या होने वाला है। वह न्यायाधीशों के खिलाफ आरोप वापस करता है। श्लोक 51, उसे इसे जल्दी से बाहर निकालना होगा।

श्लोक 51, तुम हठीले और आध्यात्मिक रूप से खतनारहित हो, हृदय और कान में खतनारहित हो। तुम प्रभु का वचन नहीं सुनते या उस पर ध्यान नहीं देते। खैर, ये शब्द अक्सर पुराने नियम में भविष्यवाणी की भाषा, इज़राइल के संबंध में दिखाई देते हैं, लेकिन वे व्यवस्थाविवरण 10 में एक साथ दिखाई देते हैं।

मूसा के दिनों में इस्राएल जहां था, वह शिकायत करता है कि वे कठोर गर्दन वाले और दिल से खतनारहित हैं। फिर पद 52 में, तुम्हारे पूर्वजों ने भविष्यवक्ताओं को सताया। खैर, 1 राजा 18:4, एलिय्याह के दिनों में, इज़ेबेल ने कई भविष्यवक्ताओं की हत्या कर दी थी।

नहेमायाह 9:26 यह भी सारांश देता है कि हमारे पूर्वजों ने भविष्यवक्ताओं को कैसे मार डाला। यिर्मयाह 26, हमारे पास यिर्मयाह 26:20-23 में उनमें से एक का नाम ऊरिय्याह भविष्यवक्ता है। यिर्मयाह बच गया, लेकिन सभी भविष्यवक्ता नहीं बचे।

ऊरिय्याह एक सच्चा भविष्यवक्ता था, और वह मिस्र भाग गया, और वे उसे वापस ले आए और उसे मार डाला। तो, दूसरे शब्दों में, यिर्मयाह को भी मौत की सजा दिए जाने का वास्तविक खतरा था, लेकिन भगवान ने उसकी रक्षा की, जिसमें अफ्रीकी अदालत के अधिकारी, एबेद-मेलिक, हिजड़ा एबेद-मेलिक भी शामिल था। और तुम्हारे पुरखाओं ने भविष्यवक्ताओं को सताया।



यहूदी परंपरा ने इसे और भी विकसित किया था। इसलिए, उदाहरण के लिए, यह कहा गया था कि यशायाह एक पेड़ में छिप गया था, और एक पेड़ ने खुल कर उसकी रक्षा की, लेकिन मनश्शे को पता था कि वह पेड़ में था क्योंकि उसके किनारे... ठीक है, बाद में रब्बी ने कहा कि उसके किनारे प्रार्थना शॉल पेड़ से लटक रहे थे। इसलिए, मनश्शे ने पेड़ को आधा कटवा दिया और इस तरह यशायाह को मार डाला।

लेकिन यह पैगम्बरों के जीवन और अन्य यहूदी कार्यों में भी है। इसलिए, इस परंपरा को बढ़ावा दिया गया है कि हमारे पूर्वजों ने पैगम्बरों को मार डाला था, और वे उस परंपरा से इनकार नहीं करेंगे। यह धर्मग्रंथ में है, यह इज़राइल के इतिहास का हिस्सा है, और यह वास्तव में इस अवधि में बढ़ाया गया था।

श्लोक 53 में उल्लिखित एक और परंपरा, जिसे वे अस्वीकार नहीं करेंगे, वह यह है कि कानून की मध्यस्थता स्वर्गदूतों के माध्यम से की गई थी। उसने कहा, तुम जानते हो, यह व्यवस्था तुम्हें स्वर्गदूतों के द्वारा मध्यस्थता करके प्राप्त हुई है, और वह व्यवस्था की महिमा करने के लिये थी। इब्रानियों अध्याय 2 के समान। गलातियों 3, यह एक तरह से कहने जैसा है, ठीक है, इसकी मध्यस्थता की गई थी, यह किसी अन्य चीज़ की तरह प्रत्यक्ष नहीं था।

परन्तु स्वर्गदूतों ने व्यवस्था में मध्यस्थता की। तुम्हें पता है, स्वर्गदूतों ने झाड़ी में मूसा से बात की थी। और व्यवस्थाविवरण भी माउंट सिनाई पर मौजूद कई, शायद स्वर्गदूतों की बात करता है।

यहूदी दुभाषियों द्वारा निश्चित रूप से इसकी इसी तरह व्याख्या की गई थी। मुझे लगता है कि व्यवस्थाविवरण 32. तो, भजन 68 इस बारे में कुछ संकेत दे सकता है, जिस तरह से यहूदी लोगों द्वारा इसे पेंटेकोस्ट के दिन पढ़ने के रूप में व्याख्या की गई थी, बाद में किसी भी मामले में।

तो, वह इस परंपरा का हवाला देते हैं, कानून स्वर्गदूतों के माध्यम से दिया गया था, और फिर भी आपने इसे अस्वीकार कर दिया है। आपने कानून की अवहेलना की है। और पवित्र आत्मा, जैसा कि हमने पहले उल्लेख किया था, विशेष रूप से भविष्यवक्ताओं के साथ, भविष्यवाणी संदेश बोलने के साथ जुड़ा हुआ था।

उस ने कहा, तुम्हारे पुरखाओं ने भविष्यवक्ताओं को घात किया, और तुम ने पवित्र और धर्मी को घात करके चरम सीमा पर पहुंच गए। उन्होंने कहा, तुम सदैव पवित्र आत्मा का विरोध करते हो। वर्तमान काल में, वे अभी भी पवित्र आत्मा का विरोध कर रहे हैं।

स्टीफन उनसे बिल्कुल पुराने नियम के भविष्यवक्ता की तरह बात कर रहे हैं। और स्टीफन जानता है कि क्या होने वाला है क्योंकि, देखो, वे यही कर रहे हैं। उन्होंने मसीहा के साथ यही किया।

वे उसके साथ भी ऐसा करने जा रहे हैं। और वे उसकी हत्या करके उसकी आलोचना को साबित करते हैं। स्टीफन की मृत्यु, हम अधिनियम 7, 54 से 60 में स्टीफन की मृत्यु में यीशु के साथ समानताएं देखते हैं।

महासभा के समक्ष यीशु के मुकदमे में, यीशु ने घोषणा की कि वह मनुष्य का श्रेष्ठ पुत्र है। खैर, महासभा के समक्ष अपने मुकदमे में, स्टीफन ने घोषणा की कि वह मनुष्य के महान पुत्र को देखता है। पहले वे स्टीफन को एक देवदूत के रूप में देखते थे।

अब वह स्वर्ग में देखता है, वह यीशु को देखता है। ल्यूक 23:46 में यीशु कहते हैं, हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ। प्रेरितों के काम 7:59 में स्तिफनुस कहता है, हे प्रभु, मैं अपनी आत्मा तुझे सौंपता हूँ।

ल्यूक 23:34 में यीशु प्रार्थना करते हैं, हे पिता, उन्हें क्षमा कर दो। वे नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं। प्रेरितों के काम 7:60 में स्तिफनुस कहता है, हे प्रभु, यह पाप उन पर मत डाल।

खैर, याद रखें कि हमने समानांतर जीवनियों के बारे में पहले क्या कहा था। और यह भी याद रखें कि शिष्य शिक्षकों का अनुकरण करते हैं। तो, यह स्वाभाविक है, यह जानते हुए कि यीशु ने ऐसा किया था, स्टीफन अपनी मृत्यु पर भी ऐसा करना चाहेगा।

हम इस कथा में कुछ और भी देखते हैं, और यह विडंबनापूर्ण तरीका है कि ल्यूक इसे बताता है। वास्तव में दोषी कौन है? आयत 56 में यीशु स्वर्ग में खड़ा है। आम तौर पर आप उम्मीद करेंगे कि वह पिता के दाहिने हाथ पर बैठा होगा, जैसा कि प्रेरितों के काम अध्याय 2 में कहा गया है। लेकिन एक गवाह या न्यायाधीश खड़ा हो सकता है।

गवाही देते समय गवाह खड़ा रहेगा। फैसला सुनाते समय न्यायाधीश खड़ा रह सकता था। यीशु या तो स्टीफन के गवाह हैं, या यीशु को यहाँ सच्चे न्यायाधीश के रूप में चित्रित किया गया है।

और यह उन पर आरोप लगाने वाले, झूठे आरोप लगाने वाले हैं, जो इस पूंजी परीक्षण में जो कह रहे हैं उसके लायक हैं। यह उन पर आरोप लगाने वाले ही हैं जिन पर वास्तव में मुकदमा चल रहा है। आम तौर पर जिस व्यक्ति को फाँसी दी जाने वाली हो उसे निर्वस्त्र कर देना चाहिए।

और हो सकता है कि उन्होंने स्टीफन को निर्वस्त्र कर दिया हो, लेकिन इसका उल्लेख यहां नहीं किया गया है। ल्यूक ने इसके बजाय कुछ और बात का उल्लेख किया। उन्होंने खुद को निर्वस्त्र कर लिया।

खैर, आम तौर पर हेलेनिस्ट व्यायाम के लिए कपड़े उतार देते थे। हो सकता है कि वे पूरी तरह से अपने कपड़े न उतारते हों, लेकिन जब गर्मी होती थी तो वे अपने कपड़े उतार लेते थे। आप पॉल पर आरोप लगाने वालों के साथ भी यही बात देखते हैं।

प्रेरितों के काम अध्याय 22 में भीड़, जब वे अपने कपड़े हवा में उछाल रहे हैं। मारे गए व्यक्ति को अपने पापों को स्वीकार करना था। लेकिन पद 60 में, स्तिफनुस अपने पापों को नहीं, बल्कि उनके पापों को स्वीकार करता है।

कभी-कभी प्राचीन लेखक स्पष्ट रूप से कहते थे कि अन्यायी न्यायाधीशों पर ही वास्तव में मुकदमा चल रहा था, सत्य के सामने या ईश्वर के सामने। अन्यजातियों ने अक्सर सुकरात के साथ ऐसा कहा। वह वह नहीं था जिस पर मुकदमा चल रहा था।

यह उन पर आरोप लगाने वाले थे जिन पर मुकदमा चल रहा था। या फिर वे सत्य का प्रयास कर रहे थे और इसलिए उनकी निंदा की गई। स्टीफ़न को पत्थर मारने की कुछ पृष्ठभूमि।

यह शहर के बाहर किया गया है। वे उसे शहर के बाहर खींच ले गये। खैर, आप पवित्र शहर को अपवित्र नहीं करना चाहते।

और आम तौर पर फ़ाँसी और दफ़नाना शहर के बाहर किया जाता था। प्रथाएँ। यदि मिशनाह और हेड्रोन 7 और इसी तरह, यदि इस मामले में मिशनाह और हेड्रोन का पालन किया जा रहा था, तो मिशनाह और हेड्रोन को अभी तक नहीं लिखा गया था, लेकिन यदि यह इतने पुराने नियमों को प्रतिबिंबित करता है, तो हो सकता है कि उन्होंने इन नियमों का पालन किया हो।

फिर, चूँकि यह एक भीड़ है, और वे उसे सिर्फ इसलिए मार रहे हैं क्योंकि वे गुस्से में हैं, वे वैसे भी नियमों के बारे में बहुत अधिक नहीं सोच रहे होंगे। सद्दुकी ऐसा नहीं करेंगे, और हेलेनिस्ट किसी भी मामले में फरीसी नियमों से चिंतित नहीं होंगे। लेकिन इससे हमें कम से कम यह अंदाज़ा हो सकता है कि यह कैसे किया गया होगा।

आम तौर पर आप व्यक्ति को किसी चट्टान या बड़ी पहाड़ी पर फेंक देते हैं। हो सकता है कि गिरना उन्हें मारने के लिए पर्याप्त न हो। कभी-कभी ऐसा होता था।

परन्तु तुम उन्हें किसी पहाड़ी या चट्टानी कगार पर फेंक दो। हो सकता है कि वह उतना नीचे न हो। तब आदर्श रूप से, आपके पास बड़े पत्थर होंगे।

यह इन छोटे पत्थरों को फेंकने जैसा नहीं है। लेकिन बड़े-बड़े पत्थर होंगे। तकनीकी रूप से, बाद में रब्बियों ने कहा कि आप संदूक पर निशाना लगाते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि लोग इन बड़े पत्थरों से इतना अच्छा निशाना लगा सकते हैं।

यह वहीं उतरेगा जहां यह उतरेगा। और वे तब तक पत्थर फेंकते रहेंगे जब तक वह व्यक्ति मर न जाए। व्यवस्थाविवरण 17.7 के अनुसार, गवाहों को सबसे पहले पत्थर फेंकना था।

संभवतः इसका उद्देश्य झूठे गवाहों को रोकना था क्योंकि आप जानते थे कि आपको उस व्यक्ति को स्वयं ही मारना होगा। लेकिन झूठा गवाह यहाँ था। आगे बढ़ें और इसे कर डालें।

राज्यपाल केवल त्योहारों के दौरान यरूशलेम में था। और हम जानते हैं कि भीड़ ने लोगों पर पथराव किया। ऐसा पूरे प्राचीन भूमध्यसागरीय विश्व में हुआ।

लेकिन यहां पत्थरबाजी कुछ अन्य कारणों से महत्वपूर्ण है। लैव्यव्यवस्था 24.16 के अनुसार पत्थर मारना, ईशनिंदा के लिए दंड था। लेकिन पुराने नियम में भी, कई बार, हम देखते हैं कि लोगों ने परमेश्वर के सेवकों पर पथराव करना चाहा।

निर्गमन 17, गिनती 14, जहां लोग मूसा को पत्थरवाह करने के लिए तैयार थे, या यहोशू और कालेब को पत्थर मारने के लिए तैयार थे। 2 इतिहास 24, जकर्याह को पथराव किया गया। 2 सैमुअल में, वास्तव में, डेविड के अपने लोग उसे पत्थर मारने के लिए लगभग तैयार थे, हालाँकि वहाँ की परिस्थितियाँ थोड़ी अलग थीं।

और यह कहता है, अपने परिवारों पर अपनी पीड़ा के कारण। डेविड ने खुद को ईश्वर में मजबूत किया और उनसे इस बारे में बात करने में सक्षम हुआ। लेकिन फिर भी, शाऊल एक जवान आदमी है।

उन्होंने अपने वस्त्र शाऊल के पैरों पर रखे। अब यहां कंट्रास्ट का ध्यान रखें। क्योंकि पहले, जब लोग संसाधन लाते थे, अपना पैसा लाते थे, तो वे उसे प्रेरितों के चरणों में रखते थे।

अध्याय 5 में वे एक प्रकार के प्रभारी थे। ठीक है, स्टीफ़न, पत्थर मारने के समय, शाऊल अब एक प्रकार से प्रभारी है। और आप कहते हैं, वह प्रभारी कैसे हो सकता था? वह एक जवान आदमी था।

यहां युवाओं के लिए जिस शब्दावली का उपयोग किया गया है, उसका उपयोग किशोरावस्था से लेकर तीस के दशक तक किसी के लिए भी किया जा सकता है। अधिकतर, इसका उपयोग बिसवां दशा में किसी व्यक्ति के लिए किया जाता था। तो, वह शायद इस समय गैमलीएल का छात्र नहीं है।

अधिकांश लोगों ने 20 वर्ष की आयु से पहले ही अपनी तृतीयक शिक्षा पूरी कर ली। हालाँकि कुछ अपवाद भी थे, खासकर यदि आपके पास पर्याप्त पैसा हो, तो आप आगे बढ़ सकते हैं। लेकिन आमतौर पर, वे 20 वर्ष की आयु तक समाप्त हो जाते थे।

लेकिन वह अभी भी गमलीएल के घेरे में होता। अब, प्राचीन लेखन में एक युवा व्यक्ति होना कुछ चीजों से जुड़ा था। सकारात्मक रूप से, यह ताकत से जुड़ा था।

नकारात्मक रूप से, यह उतावलेपन और यौन प्रलोभन के प्रति संवेदनशीलता से जुड़ा था। इसीलिए 2 तीमुथियुस युवा वासनाओं से भागने की बात करता है। और 1 तीमुथियुस 4 कहता है, कोई तेरी जवानी को तुच्छ न जाने, परन्तु भक्ति का आदर्श बन।

यह कामुकता भी थी और गुस्सा भी। वे अपने गुस्से पर काबू नहीं रख सके। और इसमें कुछ सच्चाई है कि जब आप किशोर होते हैं और आपके हार्मोन बदल रहे होते हैं, तो कभी-कभी आपके साथ ऐसा होता है।

लेकिन आपके पास भी ताकत और उत्साह हो सकता है जो ईश्वर को समर्पित हो सकता है, शायद शाऊल ने इसे इसी तरह देखा था। लेकिन इस मामले में इसका इस्तेमाल सही तरीके से नहीं किया जा रहा था। और कभी-कभी नए नियम में, यह सकारात्मक है, लेकिन इस मामले में, इसका उपयोग गलत तरीके से किया गया है।

गलातियों 1 हमें बताता है कि पॉल अपने कई हमउम्र साथियों से आगे बढ़ रहा था, ग्रीक शब्दों को शायद इसी तरह समझा जाना चाहिए। इसलिए भले ही वह एक युवा व्यक्ति था, अपने उत्साह, टोरा में अपनी प्रवीणता इत्यादि के कारण, वह एक नेता बन गया था। आप कहते हैं, ठीक है, वह महायाजक के सामने एक जवान आदमी के रूप में कैसे जा सकता था? जब उसे महायाजक से पत्र मिले तब वह संभवतः युवा ही था।

उनके परिवार के पास भी शायद अच्छा खासा पैसा था। वह शायद अभिजात्य वर्ग का हिस्सा नहीं था, शायद गैमलीएल जितना ऊँचा। लेकिन अगर वह गमलीएल के अधीन भी पढ़ सके, तो शायद उसके परिवार के पास बहुत पैसा होगा।

तो, हम अधिनियम 22 में इसके बारे में अधिक बात करेंगे। लेकिन किसी भी मामले में, वह आंदोलन में एक नेता थे। और वह एक नेता था, पाठ अध्याय 8 में कहता है, वह ईसाई आंदोलन के खिलाफ उत्पीड़न को भड़काने में एक नेता था।

और यह उन तरीकों में से एक था जिसमें वह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा था। तभी अध्याय 9 में, जब पॉल यीशु का अनुयायी बन गया और जब वह उस क्षेत्र में प्रचार नहीं कर रहा था, तब 9.31 में कहा गया कि चर्च को आराम मिल गया था। पॉल उत्पीड़न का एक प्रमुख आयोजक था, हालाँकि वह अकेला नहीं था, और वह खुद हमें बताता है कि 1 थिस्सलुनीकियों 2 में। खैर, अधिनियम 6 और पद 5 ने स्टीफन, फिर फिलिप और फिर अन्य का परिचय कराया।

अधिनियम 7 स्टीफन को संबोधित करता है, जो इस आंदोलन के लिए धार्मिक आधार तैयार करता है। अधिनियम 8 फिलिप को संबोधित करता है। खैर, यहां अधिनियम 8 की रूपरेखा है। हमारे पास शाऊल 7:58-60 और 8:1-4 में भी है। और यहाँ, शाऊल के माध्यम से, उत्पीड़न विश्वासियों को तितर-बितर कर देता है।

अब ये एक विडम्बना है। वह आंदोलन को रोकने की कोशिश कर रहा है और उत्पीड़न बस इसे बिखेरता है और फैलाता है ताकि विडम्बना यह है कि आप बदमाशों के खिलाफ नहीं लड़ सकें। विडम्बना यह है कि शाऊल यीशु का अनुयायी बनने से पहले ही इस आंदोलन को फैलाने के लिए एक तरह से जिम्मेदार है।

प्रेरितों के काम 8:5-25 सामरिया में फिलिप के मंत्रालय का वर्णन करते हैं। अधिनियम 8.26-40 उनके मंत्रालय के बारे में एक अफ्रीकी अदालत के अधिकारी को बताता है। आप कहते हैं, क्यों? इस पूरे शहर में उनका यह बड़ा पुनरुत्थान है।

फिर परमेश्वर उसे बाद में एक व्यक्ति के पास क्यों ले जाएगा? क्या यह प्रतिकूल नहीं है? दरअसल, यह बिल्कुल भी प्रतिकूल नहीं है। यह पृथ्वी के छोर तक जाने का पूर्वसूचक है। ईश्वर जानता है।

हम हमेशा नहीं जानते. लेकिन पृथ्वी के छोर तक. इथियोपिया को पृथ्वी का दक्षिणी छोर माना जाता था।

और इसलिए यह पहले से ही हमें इस बात का पूर्वाभास दे रहा है कि मिशन कहाँ जा रहा है। अधिनियम 8 में साहित्यिक अर्थ में सावधानीपूर्वक संरचना की गई है। अधिनियम 8.4 में, जो लोग बिखरे हुए थे, उन्होंने उपदेश दिया, और जहाँ भी वे गए, उद्घोषणा की। अधिनियम 8.5, फिलिप्पुस, जो उनमें से एक था, ने सामरिया में प्रचार किया।

प्रेरितों के काम 8:25, पतरस और यूहन्ना ने यरूशलेम लौटते समय सामरी गांवों में सुसमाचार का प्रचार किया। और फिर हमारे पास अफ्रीकी अदालत के अधिकारी के साथ अगला भाग है। और 8.40 में फिलिप को ले जाया जाता है।

और फिर फिलिप कैसरिया पहुंचने तक तटीय शहरों में अपने रास्ते पर चलते हुए अच्छी खबर का प्रचार कर रहा है। अब, इस बिंदु पर, फिलिप के बारे में अधिक बात करने से पहले मुझे अध्याय 8 श्लोक 1-4 के बारे में कुछ कहना होगा, जो अगले सत्र में होगा। लेकिन 8:1-4 में, ध्यान दें कि चर्च को वह करने के लिए प्रेरित करने के लिए उत्पीड़न की आवश्यकता पड़ी जो यीशु ने उन्हें अध्याय 1 और पद 8 में आदेश दिया था। और फिर भी ईश्वर संप्रभु है।

ईश्वर उन चीजों का भी उपयोग कर सकता है जो हमें आपदा जैसी लगती हैं। परमेश्वर कभी-कभी उन चीजों का उपयोग उन लोगों तक अपना सुसमाचार फैलाने के लिए कर सकता है जिनके पास यह नहीं है। और कभी-कभी वे पीड़ित होते हैं।

लोग हमारी बात सुनने की अधिक संभावना रखते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि वे जिस दौर से गुज़रे हैं या ऐसा ही कुछ, हम भी उसी दौर से गुज़रे हैं, या वे पीड़ा के माध्यम से हमारी ईमानदारी को देखते हैं। किसी भी मामले में, विडंबना यह है कि शाऊल ने अपने रूपांतरण से पहले चर्च को उन पर अत्याचार करके फैलाया। जो लोग मसीह के लिए कष्ट सहते हैं वे प्रायः वे लोग होते हैं जो इसकी कीमत गिनते हैं और अधिक कट्टरपंथी होते हैं।

आप इसे प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में एशिया माइनर के सात चर्चों के साथ देखते हैं। दो सताए गए चर्च, फ़िलाडेल्फ़िया और स्मिर्ना के चर्च, वे हैं जिन्हें प्रभु ने किसी भी चीज़ के लिए डांटा नहीं है। अन्य चर्च, उनमें से एक, थुआतिरा, पेरगामम, पर 2.13 में कम से कम थोड़ा सा उत्पीड़न हुआ है। लेकिन इनमें से अधिकांश अन्य चर्च विश्व व्यवस्था के मूल्यों के साथ समझौता कर रहे हैं।

आप इसे आज भी अक्सर देखते हैं, कि जो लोग मसीह के लिए कष्ट सहते हैं और दुनिया में जिन स्थानों पर चर्च मसीह के लिए या मसीह के साथ कष्ट सह रहा है, उन स्थानों पर चर्च अक्सर अधिक प्रतिबद्ध होता है। इसका मतलब यह नहीं है कि अन्य स्थानों पर कोई नहीं है, लेकिन

आपके पास कोई और चीज़ नहीं है जो आपको उत्तेजित कर रही है। बेहतर होगा कि आप स्वयं को प्रभु के लिए प्रेरित करें।

स्तिफनुस का दफ़नाना, पद 2, बिना दफ़न मरना एक बड़ा अपमान था। और लोगों को दफ़नाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालना इस हद तक सम्मानजनक और वीरतापूर्ण माना जाता था कि सोफोकल्स उस महिला के बारे में बात कर रहे थे जो अपने मृत भाई को दफ़नाने में इतनी दृढ़ थी कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए मरने को तैयार थी। यहूदी पक्ष में, आपके पास टोबिट की यह लोकप्रिय अप्रामाणिक कहानी है जहां वह राजा के आदेश के विरुद्ध लोगों को दफ़ना रहा था।

और, निःसंदेह, टोबिट के मरने पर उसका बेटा टोबियास उसे दफ़ना देता है। इसलिए, ऐसा करना सम्मानजनक और वीरतापूर्ण माना जाता था। आमतौर पर वयस्क बेटे या मृतक के निकटतम लोग व्यक्ति को दफ़ना देते हैं।

हालाँकि, निंदा किए गए अपराधियों के लिए सार्वजनिक शोक मनाना वर्जित था। कभी-कभी वे नहीं चाहते थे कि उन्हें दफ़नाया जाए, लेकिन यहूदी लोगों को किसी भी स्थिति में दफ़नाने की अनुमति देनी होगी। टोरा ने इसकी आज्ञा दी।

लेकिन दोषी अपराधियों के लिए सार्वजनिक शोक मनाना वर्जित था। लेकिन ये धर्मपरायण लोग, स्टीफ़न के धर्मपरायण मित्र, एकजुट हो गए, उन्होंने अवैध फैसले को नज़रअंदाज कर दिया, और उन्होंने उसके लिए शोक मनाया। पद 3 में, हम शाऊल के उत्साह के बारे में पढ़ते हैं।

वह पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं को भी हिरासत में ले रहा था। और पद 4 में, चूँकि चर्च तितर-बितर हो गया है, विश्वासी जहाँ भी जाते हैं संदेश अपने साथ ले जाते हैं। अधिकांश प्राचीन धर्म वास्तव में यात्रियों द्वारा फैलाए गए थे।

कुछ स्थानों पर मिशनरियों जैसा कुछ था, लेकिन अधिकांशतः वे लोग ही थे जो यात्रा करते थे। वे संदेश अपने साथ ले गये। कभी-कभी यह एक व्यापारी था और वे सोच सकते थे कि उन्होंने एक सपना देखा था कि वे कहीं एक मंदिर स्थापित करेंगे।

और वे यात्रा करते समय ऐसा करेंगे। लेकिन अधिनियमों की पुस्तक में ध्यान प्रेरितों पर है। लेकिन हमारे पास ऐसे सुराग हैं जो दिखाते हैं कि ये सिर्फ प्रेरित नहीं थे।

ये सभी आस्तिक थे. प्रेरित इसका नेतृत्व कर रहे थे। परन्तु प्रेरित यरूशलेम में ही रहे।

अधिकांश अन्य विश्वासी तितर-बितर हो गये। और इसमें शायद न केवल, बल्कि शायद सबसे प्रमुख रूप से, हेलेनिस्ट, स्टीफ़न के साथी शामिल होंगे, जो हेलेनिस्ट आराधनालय के प्रति विशेष रूप से घृणा की वस्तु थे।

यह एक्ट्स की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह सत्र 10, अधिनियम अध्याय 6, पद 8 से अध्याय 8, पद 4 है।

